International Year of Millets (Shree Anna)

'Millets' were among the first crops to be domesticated in India with several evidence of its' consumption during the Indus valley civilization. In India, millets are primarily a kharif crop, requiring less water and agricultural inputs than other similar staples. Millets are important by the virtue of its mammoth potential to generate livelihood, increase farmers' income, and to ensure food & nutritional security all over the world. Globally, India ranks first in area coverage under millets followed by Niger and Sudan. Similarly, India holds first position in millets production in the world followed by USA. These are crops of semi-arid tropics of Asia and Africa (especially in India, Mali, Nigeria, and Niger). In India, Millets are grown over an average area of 159.21 lakh hectares with a production of 121.44 lakh tonnes and yield 1311 kg/ha during the year 2021-22 (4th Advance Estimates). The top five millet producing states include Rajasthan, Maharashtra, Uttar Pradesh, Karnataka, Madhya Pradesh. Rajasthan has the highest area under millets cultivation (36%) followed by Maharashtra (19%), Karnataka (14%), Uttar Pradesh (9%), and Madhya Pradesh (5%).

Recognising the enormous potential of Millets in holistic development, which also aligns with several Sustainable Development Goals (SDGs) of the United Nations, the Government of India (GoI) prioritized Millets by promoting them between 2011-12 to 2013-14, under the Nutritional Security program. In April 2018, Millets were rebranded as "Nutri Cereals", followed by the year 2018 being declared as the National year of Millets, aiming at larger promotion and demand generation.

With the aim to generate mass awareness, increase production, productivity and strengthen the Millet value-chain towards enhanced Millet consumption, under the leadership of Hon'ble Prime Minister Shri Narendra Modi, The United Nation's General Assembly (UNGA) declared 2023 as the International Year of Millets (IYM) on 5th March 2021. The proposal submitted by the Government of India was supported by 72 countries. Through this declaration, the UNGA aims to elevate awareness of nutri-cereals (millets) for food security and nutrition, enhance investment in R&D and extension, and to inspire stakeholders towards improving production productivity and quality of millets. Additionally, the Government of India aims to make IYM 2023 a people's movement for the country, inspiring Markets, Farmers & Consumers, so that the Indian millets, recipes, and value-added products come to be accepted globally.

The Department of Agriculture & Farmers Welfare has taken a proactive multistakeholder engagement approach (engaging all the Central government ministries, states/UTs, farmers, start-ups, exporters, retail businesses, hotels, Indian Embassies etc.) to achieve the objectives of IYM 2023 and taking Indian millets globally. Additionally, the DA&FW has devised "The Seven Sutras as the guiding principles for the IYM 2023"

- Enhancement of Production/Productivity
- Nutrition and health benefits
- Value-addition, Processing & Recipe Development
- Entrepreneurship/Start-up/Collective Development
- Awareness creation – Branding, Labelling & Promotion
- International outreach
- Policy interventions for mainstreaming

Additionally, six Task Force Committees have been constituted to tackle various issues and challenges across the millet value chain.

Prior to the kick-start of India's year-long grand celebration of 'International Year of Millets (IYM) 2023', the Ministry of Agriculture & Farmers Welfare (MoAFW) took a proactive approach in mainstreaming millets through various international and national events and expos such as Dubai Expo, Surajkund Mela (Ministry of Tourism), Aahar-The international food & hospitality fair (Ministry of Commerce and Industry), BioFach, Saras Food festival (Ministry of Rural Development), etc., showcasing the diversity of various millets based value-added products.

On 6th December 2022, the Food and Agriculture Organization (FAO) of the United Nations, organized an official opening ceremony for the International Year of Millets – 2023 at Rome, Italy. The event was attended by a delegation of senior government officials from India. To mark the significance of this day in India, DA&FW launched and organized several initiatives, which includes an extensive social media campaign on the importance of Millets in the Indian context.

Additionally, as a part of promotional activities of IYM 2023, the Ministry of Agriculture and Farmer's welfare will also promote millets during the G20 & SCO presidency in India. Millets will be showcased through a byte size millets exhibition during all the G20 & SCO working group meetings, along with a millet-based lunch and a specially curated millet hamper for all foreign digitaries.

The year 2023 will witness a year long campaign and several activities nationally and globally for increased adoption and promotion of millets.

Department of Posts is pleased to release a Commemorative Postage Stamp on International Year of Millets 2023, thereby contributing in country's nutritional security and holistic development of the citizens.

Credits:

Stamp /FDC/Brochure	:	Shri Brahm Prakash
Cancellation Cachet	:	Smt Nenu Gupta
Text	:	Based on information received from the proponent.

भारतीय डाक
India Post

डाक विभाग
Department of Posts



अंतर्राष्ट्रीय श्री अन्न वर्ष

International Year of Millets (Shree Anna)

विवरणिका BROCHURE

अंतर्राष्ट्रीय श्री अन्न वर्ष

मिलेट्स भारत में उगाई जाने वाली उन प्रथम फसलों में से हैं, जिनके सिंधु घाटी सभ्यता के दौरान उपभोग किए जाने के अनेक साक्ष्य मिले हैं। भारत में, मिलेट्स मुख्यतः खरीफ फसल है, जिसके लिए अन्य समान फसलों की तुलना में कम जल और कृषि संबंधी साधनों की आवश्यकता होती है। मिलेट्स, आजीविका सृजन, किसानों की आय बढ़ाने और पूरे विश्व में खाद्य एवं पोषण सुरक्षा सुनिश्चित करने की अपनी व्यापक संभावना के दृष्टिकोण से अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। मिलेट्स फसलों के क्षेत्रफल की दृष्टि से भारत का विश्व में प्रथम स्थान है, इसके बाद नाइजर और सूडान का नाम आता है। इसी तरह से मिलेट्स उत्पादन में भारत का विश्व में प्रथम स्थान और संयुक्त राज्य अमेरिका (यूएसए) का द्वितीय स्थान है। ये एशिया और अफ्रीका (विशेषतः भारत, माली, नाइजीरिया और नाइजर) के अर्ध–शुष्क कटिबंधीय क्षेत्र की फसलें हैं। भारत में मिलेट्स फसलें औसतन 159.21 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में उगाई जाती हैं। वर्ष 2021–22 के दौरान (चौथा अग्रिम आकलन) 121.44 लाख टन उत्पादन के साथ 1311 किलो ग्राम प्रति हेक्टेयर उपज हुई है। मिलेट्स उत्पादन करने वाले पांच शीर्ष राज्यों में राजस्थान, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, कर्नाटक और मध्य प्रदेश शामिल हैं। मिलेट्स उत्पादन के लिए सर्वाधिक क्षेत्र (36%) राजस्थान में है। इसके बाद महाराष्ट्र (19%), कर्नाटक (14%), उत्तर प्रदेश (9%) और मध्य प्रदेश (5%) का स्थान आता है।

समग्र विकास हेतु मिलेट्स की व्यापक क्षमता को पहचानते हुए भारत सरकार ने पोषण सुरक्षा कार्यक्रम के अंर्तगत वर्ष 2011–12 से 2013–14 के बीच मिलेट्स की उपज को बढावा देते हुए इसे प्राथमिकता दी। यह पहल, संयुक्त राष्ट्र के अनेक स्थायी विकास लक्ष्यों (एसडीजी) के अनुरूप भी है। अप्रैल 2018 में मिलेट्स की 'पोषक अनाज' के रूप में पुनः ब्रांडिंग की गई। तत्पश्चात् व्यापक संवर्धन एवं मांग सृजन के उद्देश्य से वर्ष 2018 को राष्ट्रीय मिलेट्स वर्ष घोषित किया गया।

आमजन को जागरुक करने, उत्पादन एवं उत्पादकता में वृद्धि करने और मिलेट्स के उपभोग को बढ़ाने के उद्देश्य से मिलेट्स मूल्य–श्रृंखला को सुदृढ़ करने के लिए माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) ने 05 मार्च 2021 को वर्ष 2023 को अंतरराष्ट्रीय मिलेट्स वर्ष (आईवाईएम) घोषित किया। भारत सरकार द्वारा प्रस्तुत इस प्रस्ताव का 72 देशों ने समर्थन किया। इस घोषणा के माध्यम से यूएनजीए का उद्देश्य, खाद्य सुरक्षा एवं पोषण के लिए पोषक–अनाज (मिलेट्स) के प्रति जागरूकता बढ़ाना, अनुसंधान एवं विकास के साथ–साथ इसके विस्तारण में निवेश बढ़ाना तथा मिलेट्स के उत्पादन, उत्पादकता एवं गुणवत्ता में सुधार लाने के लिए हितधारकों को प्रोत्साहित करना है। इसके अतिरिक्त भारत सरकार का उद्देश्य बाजारों, किसानों और उपभोक्ताओं को प्रोत्साहन देते हुए देश में आईवाईएम 2023 को जन–आन्दोलन बनाना है ताकि भारतीय मिलेट्स, व्यंजन और इनसे संबंधित मूल्य संवर्धित उत्पादों का पूरे विश्व में प्रचार–प्रसार हो सके।

कृषि एवं किसान कल्याण विभाग ने आईवाईएम 2023 के लक्ष्यों की प्राप्ति और भारतीय मिलेट्स को विश्वभर में लोकप्रिय बनाने के लिए अपनी ओर से बहु–हितकारक नियोजन दृष्टिकोण (केंद्र सरकार के सभी मंत्रालयों, राज्यों/संघ राज्य–क्षेत्रों, किसानों, स्टार्ट–अप्स, निर्यातकों, खुदरा कारोबारों, होटलों, भारतीय दूतावासों आदि को संबंधित कार्यों से जोड़ते हुए) अपनाया है। तदनुसार, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग ने 'आईवाईएम 2023 के लिए मार्गदर्शी सिद्धान्तों के रूप में 'सात सूत्र' तैयार किए हैं :–

- उत्पादन/उत्पादकता वर्धन
- पोषण एवं स्वास्थ्य लाभ
- मूल्य–संवर्धन, प्रसंस्करण एवं व्यंजन विकास
- उद्यमशीलता/स्टार्ट–अपध्सामूहिक विकास
- जन–जागरण – ब्रांडिंग, लेबलिंग एवं संवर्धन
- अंतरराष्ट्रीय सम्पर्क
- मुख्यधारा में लाने के लिए नीतिगत पहल

इनके अतिरिक्त मिलेट मूल्य श्रृंखला में आने वाली विभिन्न समस्याओं और चुनौतियों के समाधान के लिए छह कार्यबल समितियों का गठन किया गया है।

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय ने 'अंतर्राष्ट्रीय मिलेट्स (आईवाईएम) वर्ष 2023' के वर्षभर चलने वाले भव्य–समारोह के शुरू होने से पूर्व विभिन्न मिलेट्स आधारित मूल्य–संवर्धित उत्पादों को प्रदर्शित करते हुए दुबई एक्सपो, सूरजकुंड मेला (पर्यटन मंत्रालय), आहार–अंतर्राष्ट्रीय खाद्य एवं आतिथ्य मेला (वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय), बायोफेच, सरस फूड फेस्टीवल (ग्रामीण विकास मंत्रालय) आदि जैसे विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय समारोहों और एक्सपो के माध्यम से मिलेट्स को मुख्यधारा में लाने के लिए सक्रिय भूमिका निभाई है।

संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) द्वारा 06 दिसम्बर, 2022 को रोम, इटली में अंतर्राष्ट्रीय मिलेट्स वर्ष–2023 के लिए एक औपचारिक उद्घाटन समारोह आयोजित किया गया। इस समारोह में भारत के वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों के शिष्टमंडल ने भाग लिया। भारत में इस दिन के महत्व को रेखांकित करने के लिए कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा अनेक नई पहलें की गई और समारोह आयोजित किए गए, जिनमें भारतीय परिप्रेक्ष्य में मिलेट्स के महत्व संबंधी व्यापक सोशल मीडिया अभियान भी शामिल हैं।

इसके अलावा आईवाईएम 2023 को बढ़ावा देने वाले कार्यकलापों के भाग के रूप में कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, जी–20 और एससीओ में भारत की अध्यक्षता के दौरान मिलेट्स का प्रचार भी करेगा। सभी जी–20 और एससीओ कार्य समूह बैठकों के दौरान मिलेट–आधारित लंच और सभी विदेशी अतिथियों के लिए विशेष रूप से तैयार किए गए मिलेट हैम्पर के साथ बाइट साइज मिलेट्स प्रदर्शनी के माध्यम से मिलेट्स प्रदर्शित किए जाएंगे।

मिलेट्स को अपनाने और इसके प्रचार–प्रसार के लिए वर्ष 2023 में राष्ट्रीय एवं वैश्विक स्तर पर वर्ष भर अभियान चलाए जाएंगे और अनेक कार्यकलाप आयोजित किए जाएंगे।

डाक विभाग, देश की पोषण सुरक्षा और नागरिकों के समग्र विकास में योगदान करते हुए 'अंतर्राष्ट्रीय श्री अन्न वर्ष' विषय पर स्मारक डाक–टिकट जारी कर प्रसन्नता का अनुभव करता है।

आभार :

डाक टिकट/प्रथम दिवस आवरण/विवरणिका : श्री ब्रह्म प्रकाश
विरूपण कैशे : श्रीमती नीनू गुप्ता
मूल पाठ : प्रस्तावक से प्राप्त जानकारी के आधार पर

तकनीकी आंकड़े

TECHNICAL DATA

मूल्य	: 500 पैसे
Denomination	: 500 p
मुद्रित डाक टिकटें	: 303700 प्रत्येक
Stamps Printed	: 303700 each
मुद्रण प्रक्रिया	: वेट ऑफसेट
Printing Process	: Wet Offset
मुद्रक	: प्रतिभूति मुद्रणालय, हैदराबाद
Printer	: Security Printing Press, Hyderabad

The philatelic items are available for sale at Philately Bureaus across India and online at http://www.epostoffice.gov.in/PHILATELY_3D.html

© डाक विभाग, भारत सरकार। डाक टिकट, प्रथम दिवस आवरण तथा सूचना विवरणिका के संबंध में सर्वाधिकार विभाग के पास है।

© Department of Posts, Government of India. All rights with respect to the Stamp, First Day Cover and Information Brochure rest with the Department.

मूल्य ₹ 5.00